हे सतयुग दर्शन वसुन्धरा, यह सृष्टि तेरे अर्पण है ।
हर ज्ञानी और अज्ञानी का, सत्य स्वरूप तू दर्पण है ।।

सत्य ज्ञान यज्ञ

(21अक्तूबर 1996 विजयादशमी)

सतयुग दर्शन वसुन्धरा
फरीदाबाद

सतयुग दर्शन ट्रस्ट (रजिस्टर्ड)

सतयुग दर्शन ट्रस्ट (रजिस्टर्ड)
फरीदाबाद

यह तो सर्व विदित है कि कुदरत ने समय काल को चार युगों में बाँट रखा है, यह हैं सतयुग, त्रेता, द्वापर और कलयुग। और अब जो समय काल चल रहा है वह है - कलयुग।

कुदरत के नियमानुसार कलयुग के उपरान्त सतयुग निश्चित है। इसलिए यह आवश्यक हो जाता है कि जो समय आ रहा है, उसका ज्ञान हम सजनों के पास हो ताकि यथार्थ को समझने और उसके अनुरूप ढलने में हर सजन (व्यक्ति) पूर्णतया सक्षम बन सके। इस कुदरती सत्यपूर्ति के लिए गठित हुआ है—

"सतयुग दर्शन ट्रस्ट"

यह एक ऐसी धरोहर एवं विश्वास की स्थापना है, जहाँ से जीवन के यथार्थ व सर्वोत्कृष्ट सत्य का साक्षात्कार कराया जा सकेगा ताकि—

1. हर सजन का धर्म सत्यता पूर्ण हो;
2. सजनों को सांसारिक ज्ञान का वास्तविक रूप समझ में आए;
3. सजनों को पारमार्थिक ज्ञान अर्थात् जीव-ब्रह्म सम्बंधी ज्ञान की सत्यता समझ में आए;
4. सजनों को अपने अस्तित्व की सत्यता समझ में आए; एवं
5. भिन्न-भिन्न धर्मों को एक सूत्र में बाँधने का यत्न किया जा सके।

इसके साथ-साथ असहाय, अनाथ बच्चों की निशुल्क शिक्षा एवं उपचार और मालिक के प्यारे (लाचार-सफ़ेदपोश) जो सहायता माँगने में लज्जाते हैं, उनकी भी यथोचित सहायता का प्रबंध किया जाएगा ताकि उनके अन्दर भी जीवन जीने की इच्छा बने।

इस प्रकार हर प्राणी के पास सुखी, शान्तमय और सत्यतापूर्ण जीवन व्यतीत करने की समझ हो सकेगी, नैतिक पतनता रुकेगी, धार्मिक एकता पनपेगी और सजनों का चरित्र उत्थान होगा। जिससे सब इस जीवन के सत्य को समझ, उसके अनुरूप जीवन व्यतीत करने के योग्य बनेंगे।

इस सत्य ज्ञान-यज्ञ में सम्मिलित होने के लिए सजनों को विभिन्न शहरों, गाँवों व सभाओं में निम्नलिखित निमन्त्रण पत्रों द्वारा आमन्त्रण पत्र भेजे गए ताकि अधिक से अधिक सजन भविष्य की इस चेतावनी से अवगत हो, इस नवयुग में प्रवेश हेतु अपने जीवन में तबदीली लाने का यत्न कर सकें:

निमंत्रण (कार्ड)

कलुकाल जब हटने लगा तो
वह दिन आने वाला सजन जी
वह दिन आने वाला

सतयुग दर्शन वसुन्धरा
से
सतवस्तु की लहर चलेगी

जिसमें सम्मिलित होने के लिए आप परिवार, सगे-सम्बन्धियों व मित्रों सहित आमंत्रित हैं

कार्यक्रम की रूपरेखा

दिनांक 20.10.96 प्रात: 8.00 बजे	:	सतवस्तु के कुदरती ग्रन्थ के अखण्ड पाठ का आरम्भ
दिनांक 21.10.96 प्रात: 8.30 बजे	:	हवन

फिर कीर्तन व समझौता द्वारा कलयुग और सतयुग के बारे में बताने का यत्न होगा

दोपहर 1.00 बजे	:	समाप्ति

तत्पश्चात् गरीबों को कपड़े बांटे जाएंगे

दोपहर 2.00 बजे	:	लंगर

स्थान :
सतयुग दर्शन वसुन्धरा
भूपानि - लालपुर रोड
गाँव भूपानि, फरीदाबाद

अपने सुख के लिए सब आइए।
सतयुग दर्शन ट्रस्ट (रजिस्टर्ड), फरीदाबाद

सतयुग दर्शन ट्रस्ट (रजिस्टर्ड)
फरीदाबाद

निमंत्रण-पत्र (सत्संगियों के लिए)

जैसा कि समय समय पर सजनों को "सतयुग दर्शन वसुन्धरा" पर कार्य प्रगति के बारे में बताते रहते हैं, वहाँ पर धरती समतल का, पीने योग्य पानी का कुआँ और तीन - चार सौ सजनों के बैठने के लिए स्थान की व्यवस्था कर दी गई है। वहाँ पर चारों ओर कांटेदार तार लगा कर हदबंदी भी कर ली है। इसके साथ-साथ वहाँ बिजली का मीटर लग चुका है और आशा है कि टेलिफोन की सुविधा भी जल्द प्राप्त हो जाएगी। क्योंकि यह जमीन अब तक खेती-बाड़ी के लिए इस्तेमाल होती थी वहाँ पर भवन आदि निर्माण के लिए सरकार से इजाज़त लेने हेतु यत्न चल रहा है और जैसे ही यह इजाज़त मिल गई वैसे ही वहाँ भवनों का निर्माण कार्य आरम्भ हो जाएगा। इस निर्माण कार्य आरम्भ होने से पहले वहाँ सतवस्तु के कुदरती ग्रन्थ का पाठ रखा जाना और वातावरण की शुद्धि के लिए हवन का आयोजन दिनाँक 20.10.96 - 21.10.96 को करना निश्चित किया है। सतवस्तु के कुदरती शास्त्र का पाठ 20.10.96 ठीक सुबह 8.00 बजे रखा जाएगा जिस की समाप्ति 21.10.96 सुबह हवन के साथ होगी। इस अवसर पर आस पास के गाँव वालों और अन्य सजनों को भी बुलाया जाएगा ताकि वहाँ जो होने जा रहा है उसके सारे कार्यक्रम का उन्हें पता चल सके। इसलिए आप सजन समस्त परिवार और अपने मित्रों के साथ 20.10.96 को निम्नलिखित पते पर अवश्य पहुँचें :

सतयुग दर्शन वसुन्धरा
भूपानि - लालपुर रोड, गाँव भूपानि, फरीदाबाद

इस कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य वहाँ के वातावरण की शुद्धि के साथ—साथ उस स्थान के आस पास गाँव में बसे हुए सजनों का सहयोग प्राप्त करना और उनको व आपके परिवार वालों को सतर्क करना है कि कलयुग जा रहा है इसलिए सतयुग का स्वभाव अपनाना आवश्यक है। इस कार्यक्रम की समाप्ति 21.10.96 दोपहर बाद 2.00 बजे होगी। सजनों को वहाँ आने जाने की सुविधा के लिए चाहिए कि वे अपने-अपने शहरों से इकट्ठे अपनी आने-जाने की बस करके आएँ। जिन शहर वालों को सतयुग दर्शन वसुन्धरा का रास्ता पता नहीं उनके लिए लिखा जा रहा है कि वे फरीदाबाद पहुँच कर इस पत्र की पिछली तरफ छपे वहाँ के रास्ते के नक्शे के अनुसार

आएँ, वैसे रास्ते में जगह-जगह मार्ग-दर्शक संकेत चिन्ह लगे होंगे। अगर फिर भी किसी को रास्ते का पता न चले और तकलीफ महसूस हो तो जहाँ फरीदाबाद में सत्संग होता है, वहाँ पर पहुँच सकते हैं।

जैसा कि आप को विदित ही है कि हर साल अक्तूबर में सत्संग के स्कूलों में कार्त्तिक की मीटिंग का आयोजन होता है और इस बार यह तिथि 20.10.96 को बनती है। इसलिए इस बार यह मीटिंग समस्त स्कूलों व ब्रांचों के सजनों की इकट्ठी सतयुग दर्शन वसुन्धरा पर ही ठीक दोपहर बाद 2.00 बजे आरम्भ होगी, जिसमें मीटिंग करने का ढंग भी समझाया जाएगा।

आने वाले सजनों के लिए आवश्यक निर्देश:-

1) अपने घरों का ठीक इंतजाम करके आना है।

2) सजनों ने कोई कीमती चीज़ अपने साथ नहीं लानी और अपने सामान आदि का सतर्कता से ध्यान रखना है।

3) वहाँ की सफ़ाई आदि का पूरा ध्यान रखना है।

4) बच्चों को अकेला नहीं छोड़ना। यह सावधानी अति आवश्यक है।

5) वहाँ पर शांति का वातावरण बनाए रखना है।

6) सब सजन आवश्यकतानुसार अपने साथ चादर/कम्बल और तकिया ले कर आएँ।

7) सजन गुलेनारी दुपट्टे साथ लेकर आएं। सजनों के घर में जितने भी नए व पुराने गुलेनारी दुपट्टे पड़े हों वे सब ठीक तरह प्रेस करके साथ लाने हैं।

अनुक्रमणिका

क्रमांक	विषय	पृष्ठांक
1	सतयुग दर्शन वसुन्धरा	1
2	जीवनयापन का नैतिक ज्ञान	3
3	सजन-भाव	6
4	आत्मिक आहुति-ईश्वर मिलन	8
5	शब्द है गुरु-शरीर नहीं है	12
6	नाम-जाप की महत्ता	16
7	नवयुग-चेतना	19
8	मन को वश में किस प्रकार करें	21
9	आओ बढ़ें सतयुग की ओर	22
10	बच्चों द्वारा प्रार्थना	29
11	सन्देश	30

Request for this book

Email
info@satyugdarshantrust.org